Veterinary Homoeopathy | **Homoeo Medicine for Animals**

വെറ്ററിനറി ഹോമിയോപ്പതി | वेटरनरी होम्योपैथी

ವೆಟರಿನರಿ ಹೋಮಿಯೋಪತಿ | கால்நடை ஹோமியோபதி

Avian Pro

For all birds related Diseases such as fowl pox, candidia, avian influenza, virulent new castle disease, aspergillosis, salmonellosis, nutritional deficiency diseases

Dosage:
Give one dose Avian Pro (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:

- Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.
- For best result administer Avian Pro once in every month for immunity boosting.

General Instructions:

Avian Pro is a specially formulated homoeopathic remedy designed to effectively treat a wide range of diseases in birds, including pigeons and other domesticated pets. By addressing common bird ailments such as fowl pox, cholera, candidiasis, influenza (Bird Flu), virulent Newcastle disease, aspergillosis, Pullorum disease, paratyphoid infections, salmonellosis, septicemia, nutritional deficiencies, dermatitis, coryza infections, and metabolic disorders, this remedy strengthens the immune system and promotes overall health and vitality in birds. Ideal for pet birds, the remedy enhances egg-laying capacity and boosts resistance against all prevalent avian diseases.

एवियन प्रो

खुराक:
Avian Pro के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:
रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

Avian Pro

सामान्य निर्देश:

Avian Pro एक विशेष रूप से तैयार की गई होम्योपैथिक दवा है, जो पक्षियों, विशेष रूप से कबूतरों और अन्य पालतू पक्षियों में होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे फाउल पॉक्स, कोलेरा,कैंडिडायसिस, एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू), न्यूकैसल रोग, एस्परजिलोसिस, सैल्मोनेलोसिस, और पोषण की कमी से होने वाली बीमारियों के लिए प्रभावी है।
यह दवा सामान्य पक्षी रोगों जैसे कोलेरा, पुल्लोरम रोग, पैराटाइफाइड संक्रमण, सेप्टिसीमिया, त्वचा रोग, कोराइजा संक्रमण, और चयापचय विकारों को ठीक करती है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है और पक्षियों के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ावा देती है।
पालतू पक्षियों के लिए उत्तम, यह दवा अंडे देने की क्षमता को बढ़ाती है और सभी प्रचलित पक्षी रोगों के खिलाफ प्रतिरोध को मजबूत करती है।

Paultry M Plus

For all chicken diseases like fowl pox, new castle disease, torticollis, gumboro disease

Dosage:
Give one dose Paultry M Plus (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:

- Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.
- For best result administer Paultry M Plus once in every month for immunity boosting.

General Instructions:

Paultry M Plus is a specialised homoeopathic remedy developed to treat a wide range of poultry diseases in all chicken varieties and Turkeys. This advanced remedy effectively manages common chicken diseases including fowl pox, Newcastle disease, torticollis, and Gumboro disease, while simultaneously strengthening immune response and promoting overall vitality of chickens. It proves effective and extends to other critical poultry conditions such as fowl cholera, Pullorum disease, fowl typhoid, colibacillosis, Marek's disease, coccidiosis, aspergillosis, and mycoplasmosis. This formulation ensures that chickens remain active, resilient, and in optimal physiological condition. Ideal for both Desi and Commercial chicken breeds, the remedy enhances immunity and disease resistance in farm-raised or backyard chickens, optimising egg production efficiency and meat quality.

पोल्ट्री एम प्लस

Poultry M Plus

खुराक:

Poultry M Plus के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:

रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

सामान्य निर्देश:

Poultry M Plus एक विशेष होम्योपैथिक दवा है, जो सभी प्रकार की मुर्गियों और टर्की में होने वाली बीमारियों जैसे फाउल पॉक्स, न्यूकैसल रोग, टॉर्टिकोलिस, और गम्बोरो रोग के लिए विकसित की गई है। यह उन्नत दवा सामान्य मुर्गी रोगों जैसे फाउल कोलेरा, पुल्लोरम रोग, फाउल टाइफाइड, कोलीबैसिलोसिस, मारेक रोग, कोसीडियोसिस, एस्परजिलोसिस, और माइकोप्लास्मोसिस को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करती है, साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है और मुर्गियों की समग्र जीवन शक्ति को बढ़ाती है। यह दवा देसी और व्यवसायिक मुर्गी नस्लों दोनों के लिए उत्तम है, जो फार्म या घर में पाली गई मुर्गियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है, अंडे उत्पादन दक्षता और मांस की गुणवत्ता को अनुकूलित करती है।

M Duck

For all Duck related diseases like Bumble foot, sticky eyes, prolapsed vent, wet feather, wry neck, avian influenza

Dosage:
Give one dose M Duck (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:

- Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.
- For best result administer M Duck once in every month for immunity boosting.

General Instructions:

M Duck is an advanced homeopathic remedy developed to mitigate a wide spectrum of diseases affecting ducks and geese. This advanced remedy effectively cures common waterfowl ailments including Cholera, Influenza, Botulism, Duck Plague, Leg Weakness, Sinusitis, White Eye, Bumble Foot, Sticky Eye Syndrome, Prolapsed Vent, Wet Feather Disorder, Wry Neck and associated immunosuppressive condition s. While targeting these specific diseases, MDUCK simultaneously strengthens immune response and promotes overall vitality in ducks. The remedy proves equally effective against other critical health conditions such as Pasteurellosis, Colibacillosis, Aspergillosis, and parasitic infections. This remedy ensures ducks and geese remain active, resilient, and in optimal physiological condition. Ideal for both domestic and other waterfowl breeds, MDUCK enhances natural immunity and disease resistance in farm-raised or backyard ducks and geese, optimising growth performance and overall health.

एम डक

खुराक:
M Duck के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:
रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

M Duck

सामान्य निर्देश:

MDuck एक उन्नत होम्योपैथिक दवा है, जो बतखों और हंसों में होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे कोलेरा, इन्फ्लूएंजा, बोटुलिज्म, बत्तख प्लेग, पैरों की कमजोरी, साइनसाइटिस, सफेद आंखें, बंबल फुट, स्टिकी आई सिंड्रोम, प्रोलैप्स्ड वेंट, गीले पंख डिसऑर्डर, टेढ़ी गर्दन और संबंधित प्रतिरक्षा दमनकारी स्थितियों को ठीक करने के लिए विकसित की गई है। यह दवा इन विशिष्ट रोगों को लक्षित करते हुए रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है और बतखों की समग्र जीवन शक्ति को बढ़ाती है।

यह दवा पास्चुरेलोसिस, कोलीबैसिलोसिस, एस्परजिलोसिस, और परजीवी संक्रमणों जैसी अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के खिलाफ भी प्रभावी है। यह घरेलू और अन्य जलपक्षी नस्लों दोनों के लिए उत्तम है, जो फार्म या घर में पाले गए बतखों और हंसों में प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है, विकास प्रदर्शन और समग्र स्वास्थ्य को अनुकूलित करती है।

DG - 360

For all Dog diseases like canine distemper, kennel cough, ear infections and skin allergies

Dosage:
Give one dose DG - 360 (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:
Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.

General Instructions:

DG-360 is a specially formulated homoeopathic remedy designed to effectively treat a wide range of diseases affecting dogs. By addressing common canine ailments such as canine distemper, kennel cough, ear infections, and skin allergies, this remedy supports the immune system and enhances overall health and vitality of dogs. It is also effective against other prevalent canine diseases such as parvovirus, leptospirosis, rabies, Lyme disease, tick fever, mange, gastritis, arthritis, and respiratory infections. This formulation ensures that dogs remain active, resilient, and in optimal physical condition.

डीजी - 360

DG - 360

खुराक:

DG - 360 के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:

रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

सामान्य निर्देश:

DG- 360 एक विशेष रूप से तैयार की गई होम्योपैथिक दवा है, जो कुत्तों में होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे कैनाइन डिस्टेंपर, केनेल कॉफ, कान के संक्रमण, और त्वचा एलर्जी को प्रभावी ढंग से ठीक करती है। यह दवा रोग प्रतिरोधक क्षमता को समर्थन देती है और कुत्तों के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ाती है। यह अन्य प्रचलित कुत्तों की बीमारियों जैसे पार्वोवायरस, लेप्टोस्पायरोसिस, रेबीज, लाइम रोग, टिक फीवर, मांजे, गैस्ट्राइटिस, आर्थराइटिस, और श्वसन संक्रमणों के खिलाफ भी प्रभावी है। यह फॉर्मूलेशन सुनिश्चित करता है कि कुत्ते सक्रिय, लचीले, और उत्तम शारीरिक स्थिति में रहें।

Felisca

For all cat related disease like FIV, eye infection, UTI, parasitic infection, tumors, respiratory complaints

Dosage:
Give one dose Felisca (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:
Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.

General Instructions:

Felisca is a specially formulated homoeopathic remedy designed to treat a wide range of diseases affecting cats effectively. By addressing common feline ailments such as Feline Immunodeficiency Virus (FIV), eye infections, urinary tract infections (UTI), parasitic infestations, tumours, and respiratory complaints, this remedy supports the immune system and enhances overall health and vitality of cats. It is also effective against other prevalent feline diseases such as feline leukaemia virus (FeLV), calicivirus, feline herpesvirus, pancreatitis, gastrointestinal disorders, skin allergies, and stomatitis. This formulation ensures that cats remain active, and healthy.

फेलिस्का

खुराक:
Felisca के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:
रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

Felisca

सामान्य निर्देश:

Felisca एक विशेष रूप से तैयार की गई होम्योपैथिक दवा है, जो बिल्लियों में होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे फेलाइन इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस (FIV), आंखों के संक्रमण, मूत्र मार्ग संक्रमण (UTI), परजीवी संक्रमण, ट्यूमर, और श्वसन संबंधी शिकायतों को प्रभावी ढंग से ठीक करती है। यह दवा रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देती है और बिल्लियों के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ाती है। यह अन्य प्रचलित बिल्ली रोगों जैसे फेलाइन ल्यूकेमिया वायरस (FeLV), कैलिसिवायरस, फेलाइन हर्पीजवायरस, पैनक्रियाटाइटिस, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिसऑर्डर, त्वचा एलर्जी, और स्टोमाटाइटिस के खिलाफ भी प्रभावी है। यह सूत्रीकरण सुनिश्चित करता है कि बिल्लियाँ सक्रिय और स्वस्थ रहें।

CattleBos

For all cattle related diseases like anthrax, black leg, rinder pest, mastitis, foot-rot, ringworm, milk fever

Dosage:
Give one dose CattleBos (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:
Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.

General Instructions:

The specially formulated homoeopathic remedy, CattleBos effectively treats all diseases affecting cows, bulls, buffaloes, oxen, and calves, promoting their overall health and vitality. By targeting common ailments in cattle like mastitis, anthrax, tetanus, rabies, diarrhoea, tuberculosis, foot and mouth disease, cattle fever other metabolic diseases and supporting their immune system, the remedy ensures your cattle remain active, and productive.

कैटलबोस

खुराक:
Cattlebos के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:
रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

Cattlebos

सामान्य निर्देश:

Cattlebos एक विशेष रूप से तैयार की गई होम्योपैथिक दवा है जो, गाय, बैल, भैंस, और बछड़ों को प्रभावित करने वाली सभी बीमारियों जैसे मास्टाइटिस, एंथ्रेक्स, टिटनेस, रेबीज, डायरिया, ट्यूबरक्लोसिस, खुरपका-मुंहपका रोग, पशुओं की बुखार और अन्य चयापचय रोगों को प्रभावी ढंग से ठीक करती है। यह दवा रोग प्रतिरोधक क्षमता को समर्थन देती है और पशुओं के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ावा देती है। यह सुनिश्चित करती है कि आपके पशु सक्रिय और उत्पादक बने रहें।

Susmend

For all pig related diseases like greasy pig, coccidiosis, respiratory diseases, dysentery, mastitis, swine fever

Dosage:
Give one dose Susmend (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:
Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.

General Instructions:

Susmend is a specially formulated homeopathic remedy designed to effectively treat a wide range of diseases affecting pigs. By addressing common pig ailments such as greasy pig disease, coccidiosis, respiratory infections, dysentery, mastitis, and swine fever, this remedy supports the immune system and enhances overall health and vitality. It is also effective against other prevalent pig diseases such as foot and mouth disease, leptospirosis, erysipelas, parasitic infestations, reproductive disorders, and gastrointestinal infections. This formulation ensures that pigs remain active, resilient, and in optimal physiological condition.

ससमेंड

खुराक:
Susmend के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:
रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

Susmend

सामान्य निर्देश:

Susmend एक विशेष रूप से तैयार की गई होम्योपैथिक दवा है, जो सूअरों में होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे ग्रीसी पिग रोग, कोसीडियोसिस, श्वसन संक्रमण, पेचिश, मास्टाइटिस, और स्वाइन फीवर को प्रभावी ढंग से ठीक करती है। यह दवा रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देती है और सूअरों के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ाती है। यह अन्य प्रचलित सूअर रोगों जैसे खुरपका-मुंहपका रोग, लेप्टोस्पायरोसिस, एरिसिपेलस, परजीवी संक्रमण, प्रजनन विकार, और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमणों के खिलाफ भी प्रभावी है। यह सूत्रीकरण सुनिश्चित करता है कि सूअर सक्रिय, लचीले, और इष्टतम शारीरिक स्थिति में रहें।

Ovishale

For all sheep related diseases like pneumonia, abortion, CAE, Lymphadenitis, coccidiosis, enterotoxaemia, foot rot, foot scald, haemonchosis, paratuberculosis, pink eye, listeriosis

Dosage:
Give one dose Ovishale (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:
Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.

General Instructions:

Ovishale is a specially formulated homeopathic remedy designed to treat a wide range of diseases affecting sheep. By addressing common sheep diseases such as pneumonia, abortion, caprine arthritis encephalitis (CAE), caseous lymphadenitis, coccidiosis, enterotoxaemia, foot rot, foot scald, haemonchosis, para-tuberculosis, pink eye, and listeriosis, this remedy supports the immune system and enhances overall health and vitality of sheep . It is also effective against other prevalent ailments such as bluetongue, mastitis, ORF, pasteurellosis, parasitic infestations, and metabolic disorders. This formulation ensures that sheep remain active, resilient, and in optimal health condition.

ओविशेल

खुराक:
Ovishale के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:
रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

Ovishale

सामान्य निर्देश:

Ovishale एक विशेष रूप से तैयार की गई होम्योपैथिक दवा है, जो भेड़ों में होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे निमोनिया, गर्भपात, कैप्राइन आर्थराइटिस एन्सेफलाइटिस (CAE), केसियस लिम्फैडेनाइटिस, कोसीडियोसिस, एंटेरोटॉक्सीमिया, फुट रॉट, फुट स्काल्ड, हीमोन्कोसिस, पैरा-ट्यूबरकुलोसिस, पिंक आई, और लिस्टेरियोसिस को ठीक करती है। यह दवा रोग प्रतिरोधक क्षमता को समर्थन देती है और भेड़ों के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ाती है। यह अन्य प्रचलित बीमारियों जैसे ब्लूटंग (बीटी) , मास्टाइटिस, ORF, पास्चुरेलोसिस, परजीवी संक्रमण, और चयापचय विकारों के खिलाफ भी प्रभावी है। यह सूत्रीकरण सुनिश्चित करता है कि भेड़ें सक्रिय, लचीली, और इष्टतम स्वास्थ्य स्थिति में रहें।

Equus

For all horse related diseases like strangles, herpes, colic, heaves, laminitis, influenza, infectious anaemia

Dosage:
Give one dose Equus (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:
Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.

General Instructions:

The specially formulated homoeopathic remedy, Equus, effectively treats a wide range of diseases affecting horses. By addressing common ailments such as strangles, equine herpesvirus, colic, heaves, laminitis, influenza, infectious anemia, tetanus, glanders, rain rot, respiratory infections, and metabolic disorders, this remedy supports the immune system and enhances overall health and vitality of horses.

एक्वस

खुराक:
Equus के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:
रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

Equus

सामान्य निर्देश:

Equus एक विशेष रूप से तैयार की गई होम्योपैथिक दवा है, जो घोड़ों को प्रभावित करने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे स्ट्रैंगल्स, इक्वाइन हर्पीजवायरस, कोलिक, हीव्स, लैमिनाइटिस, इन्फ्लूएंजा, संक्रामक एनीमिया, टिटनेस, ग्लैंडर्स, रेन रॉट, श्वसन संक्रमण, और चयापचय विकारों को प्रभावी ढंग से ठीक करती है। यह दवा रोग प्रतिरोधक क्षमता को समर्थन देती है और घोड़ों के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ाती है।

Coney Aid

For all rabbit related diseases like snuffles, hairballs, uterine tumours, myxomatosis, GI stasis, influenza

Dosage:
Give one dose Coney Aid (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:
Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.

General Instructions:

Coney Aid is a specially formulated homoeopathic remedy designed to effectively treat a wide range of diseases affecting rabbits. By addressing common rabbit ailments such as snuffles, hairballs, uterine tumours, myxomatosis, gastrointestinal stasis, and influenza, this remedy supports the immune system and enhances overall health and vitality. It is also effective against other prevalent rabbit diseases such as ear mites, coccidiosis, respiratory infections, and metabolic disorders. This formulation ensures that rabbits remain active, resilient, and in optimal physiological condition.

कोनी एड

खुराक:
Coney Aid के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:
रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

Coney Aid

सामान्य निर्देश:

Coney Aid एक विशेष रूप से तैयार की गई होम्योपैथिक दवा है, जो खरगोशों में होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे स्नफल्स, हेयरबॉल, गर्भाशय ट्यूमर, मिक्सोमाटोसिस, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्टेसिस, और इन्फ्लूएंजा को प्रभावी ढंग से ठीक करती है। यह दवा रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देती है और खरगोशों के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ाती है। यह अन्य प्रचलित खरगोश रोगों जैसे कान के कण, कोसीडियोसिस, श्वसन संक्रमण, और चयापचय विकारों के खिलाफ भी प्रभावी है। यह सूत्रीकरण सुनिश्चित करता है कि खरगोश सक्रिय, लचीले, और बेहतर शारीरिक स्थिति में रहें।

Tusker Punch

For all Elephant related diseases like herpes, tuberculosis, skin diseases, digestive disorders

Dosage:
Give one dose Tusker Punch (10 drops) orally in the morning and evening each day.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:
Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.

General Instructions:

Tusker Punch is a specially formulated homeopathic remedy designed to effectively treat a wide range of diseases affecting elephants. By addressing common elephant diseases such as herpesvirus infection, tuberculosis, skin diseases, and digestive disorders, this remedy supports the immune system and enhances overall health and vitality. It is also effective against other prevalent ailments such as foot infections, arthritis, abscesses, parasitic infections, respiratory infections, eye disorders, and metabolic imbalances. This formulation ensures that elephants remain active, resilient, and in optimal physiological condition.

टस्कर पंच

खुराक:
Tusker Punch के 10 बूंदें रोजाना सुबह और शाम को मौखिक रूप से दें।

उपचार की अवधि:
रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:

- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

Tusker Punch

सामान्य निर्देश:

Tusker Punch एक विशेष रूप से तैयार की गई होम्योपैथिक दवा है, जो हाथियों में होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे हर्पीजवायरस संक्रमण, , त्वचा रोग, और पाचन विकारों को प्रभावी ढंग से ठीक करती है। यह दवा रोग प्रतिरोधक क्षमता को समर्थन देती है और हाथियों के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ाती है। यह अन्य प्रचलित बीमारियों जैसे पैरों के संक्रमण, गठिया, फोड़े, परजीवी संक्रमण, श्वसन संक्रमण, आंखों के विकार, और चयापचय असंतुलन के खिलाफ भी प्रभावी है। यह सूत्रीकरण सुनिश्चित करता है कि हाथी सक्रिय, लचीले, और बेहतर शारीरिक स्थिति में रहें।

Piscivita

For all fish related diseases like bacterial infection, co2 poisoning, flukes, clamped fins, dropsy, fungus

Dosage:
Administer Piscivita in the morning and evening, by applying directly onto the fish foods until it fully soaked. Then drop the soaked food into the water for them to eat.

Treatment Duration:
Continue the treatment daily until the disease is cured or for 5 days, whichever comes first.

Guidelines During Treatment:
Avoid Other Homoeopathic Remedies during the course of this remedy, as they may reduce its effectiveness.

General Instructions:

Piscivita is a specially formulated homoeopathic remedy designed to effectively treat a wide range of diseases affecting both fresh water and salt water fishes. By addressing common aquatic ailments such as Carbon di Oxide poisoning, flukes, clamped fins, drops, worm infestations and parasitic / bacterial / fungal infections, this remedy supports the immune system and enhances overall health and vitality of fishes. It is also effective against other prevalent fish diseases such as white spot disease, fin rot, swim bladder disease, gill disease, haemorrhagic septicaemia and velvet disease. This formulation ensures that fish remain active, resilient, and in optimal physiological condition.

पिसीविटा

खुराक:
सुबह और शाम को मछली के भोजन पर Piscivita डालें, जब तक कि यह पूरी तरह से भीग न जाए। फिर भिगोए हुए भोजन को पानी में डालें ताकि मछलियाँ इसे खा सकें।

उपचार की अवधि:
रोग ठीक होने तक या 5 दिनों तक, जो पहले हो, दवा रोजाना दें।

उपचार के दौरान दिशानिर्देश:
- अन्य होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग न करें, क्योंकि यह इस दवा की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हर महीने एक बार एवियन प्रो दें।

Piscivita

सामान्य निर्देश:
पिसीविटा एक विशेष रूप से तैयार की गई होम्योपैथिक दवा है, जो मीठे और खारे पानी की मछलियों में होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे कार्बन डाइऑक्साइड विषाक्तता, फ्लूक, क्लैंप्ड फिन्स, ड्रॉप्सी, कृमि संक्रमण, और बैक्टीरियल/फंगल/परजीवी संक्रमणों को प्रभावी ढंग से ठीक करती है। यह दवा रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देती है और मछलियों के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ाती है। यह अन्य प्रचलित मछली रोगों जैसे सफेद दाग की बीमारी, फिन रॉट, स्विम ब्लैडर रोग, गल रोग, हेमरेजिक सेप्टिसीमिया, और वेलवेट रोग के खिलाफ भी प्रभावी है। यह सूत्रीकरण सुनिश्चित करता है कि मछलियाँ सक्रिय, लचीली, और इष्टतम शारीरिक स्थिति में रहें।

HOMOEOPATHY

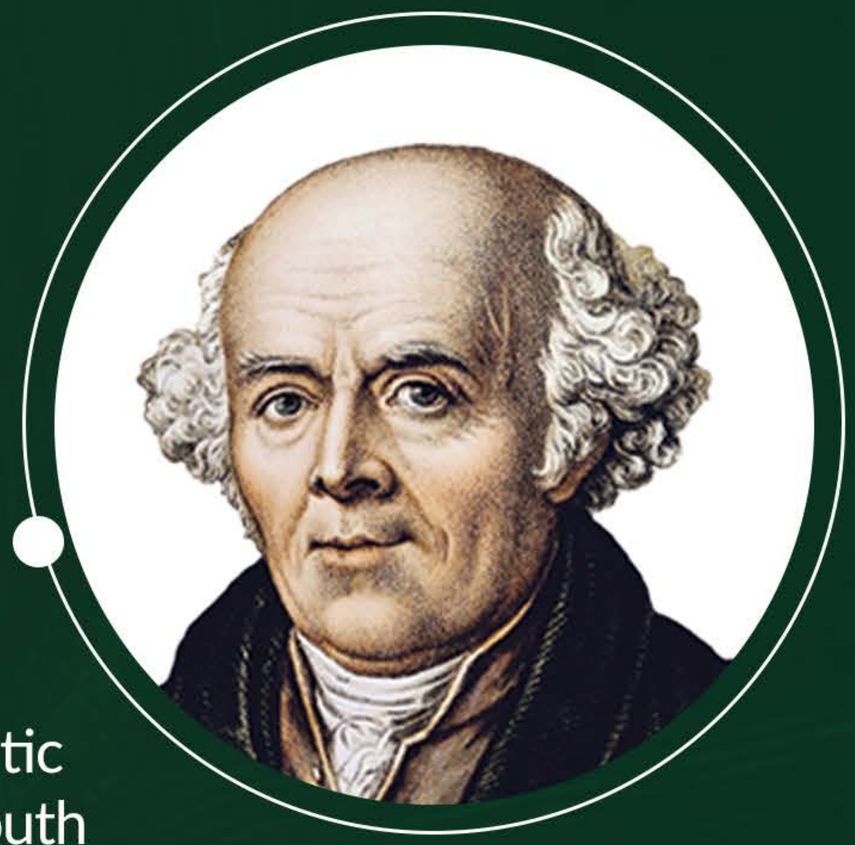

The basic principle of Homoeopathy is Similia Similibus Curentur ("Likes Cures Likes"). **Homoeopathy is a medical science invented by Dr. Samuel Hahnemann (1755-1843).** It is a system of natural health care that has been in use worldwide for over 200 years. It treats each person as a unique individual with the aim of stimulating their own healing power. Homeopathy is recognized by WHO (World Health Organization) as the second largest therapeutic system in the world. While it is most popular in India and South America, over 30 million people in Europe and millions around the world also benefit from its use. The practice of Homoeopathy is based on science while its application is an art. Homoeopathic medicines are given in minimum doses. While they stimulate the body's vital response, they do not produce the gross side effects that are so far the pitfall of conventional treatment methods. Homeopathy treatments work with your body's own healing power to bring about health and wellbeing. Homoeopathically prepared remedies are provided in minimum doses and are gentle, subtle, powerful and non addictive. Homoeopathy treats all your symptoms at all levels of your well being, spiritual, emotional, mental and physical domains thereby matching the basic principle of "Likes Cures Likes". Homoeopathic medicines are very effective in veterinary & agricultural fields too.

AGRO HOMOEOPATHY

It is the specialized area of Homoeopathy used to treat your crops and animals. It is the most chemical free, non-toxic method of growing your crops and animals. Homoeopathy makes your plants and animals resistant to diseases and other pests by strengthening them from the inside out. Homoeopathy helps to build up the plant’s and animal’s basic structure and gives it optimum health; thus reducing and sometimes even eliminating its susceptibility to diseases.

Veterinary Homoeopathy

Veterinary Homoeopathy is the most modern and safe method to protect animal health, prevent diseases, and provide effective treatment. Diseases observed in animals are not merely external symptoms; lowered immunity and genetic weaknesses are the fundamental reasons behind them. Homoeopathic medicines stimulate the animal's physical constitution and immune system, enabling the body to fight the disease itself. Unlike conventional methods that temporarily suppress symptoms, Homeopathy addresses the root cause of the illness. As a result, animals return to a state of complete health. Veterinary Homoeopathy serves as a safe and long-lasting alternative to antibiotics and chemical drugs. It is a highly effective treatment that provides rapid results for all types of animal diseases. Consequently, it plays a vital role in maintaining immunity, productivity, and the quality of milk and meat.

Other Benefits of Veterinary Homoeopathy

Recurring ailments, low immunity, declining productivity, and hormonal issues in animals are often caused by genetic flaws and physiological imbalances. Homoeopathic medicines, which are highly efficient in boosting immunity, directly strengthen the body's internal defence mechanisms. It is the safest method of treatment—completely free from adverse side effects and harmless to the body. Its primary objective is to significantly enhance the body's natural ability to resist disease.
As part of this holistic health process, Homoeopathy naturally elevates the quality and safety of milk, meat, eggs, and other animal products. It is an economical and safe treatment method.

- The most modern treatment: Safe for animals, free from side effects, and fast-acting
- Free from harmful chemicals
- Naturally boosts the immune system
- Addresses genetic weaknesses to ensure long-term health
- Maintains the quality and safety of products like milk, meat, and eggs

वेटनरी होम्योपैथी

पशुओं के स्वास्थ्य की रक्षा करने, बीमारियों को रोकने और उनका इलाज करके उन्हें ठीक करने के लिए वेटनरी होम्योपैथी सबसे आधुनिक और सुरक्षित तरीका है। जानवरों में दिखाई देने वाले रोग केवल बाहरी लक्षण नहीं हैं; शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी और आनुवंशिक (genetic) कमजोरियां ही इनके पीछे के मुख्य कारण हैं।

होम्योपैथी दवाएं जानवरों की शारीरिक प्रकृति और रोग प्रतिरोधक तंत्र (immune system) को उत्तेजित करके, शरीर को स्वयं बीमारी से लड़ने में मदद करती हैं। यह लक्षणों को अस्थायी रूप से दबाने के बजाय, बीमारी के मूल कारण का उपचार करती है। इसके परिणामस्वरूप, जानवर पूर्ण स्वास्थ्य प्राप्त करते हैं।

एंटीबायोटिक्स और रासायनिक दवाओं के बदले में यह एक सुरक्षित और दीर्घकालिक परिणाम देने वाला उपाय है। यह जानवरों के सभी रोगों के लिए त्वरित परिणाम देने वाली चिकित्सा पद्धति है। इसलिए, रोग प्रतिरोधक क्षमता, उत्पादन क्षमता और दूध/मांस की गुणवत्ता बनाए रखने में वेटनरी होम्योपैथी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

वेटनरी होम्योपैथी के अन्य लाभ

जानवरों में बार-बार बीमारी होने, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने, उत्पादन क्षमता घटने और हार्मोनल समस्याओं के पीछे अक्सर आनुवंशिक कमजोरियां और शरीर में असंतुलन ही कारण होते हैं। जानवरों की प्रतिरक्षा बढ़ाने में कारगर होम्योपैथी दवाएं, शरीर की आंतरिक रक्षा प्रणालियों को सीधे मजबूत करती हैं। यह सबसे सुरक्षित उपचार पद्धति है – पूरी तरह से दुष्प्रभावों (side effects) से मुक्त और शरीर को कोई नुकसान न पहुँचाने वाली। रोगों से लड़ने की शरीर की प्राकृतिक क्षमता को कई गुना बढ़ाना ही इसका मुख्य उद्देश्य है।
इस समग्र स्वास्थ्य प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, होम्योपैथी जानवरों के दूध, मांस, अंडे और सभी उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा को स्वाभाविक रूप से बढ़ाती है। होम्योपैथी एक कम लागत वाली और दुष्प्रभावों से रहित उपचार पद्धति है।

- जानवरों के लिए सुरक्षित, दुष्प्रभावों से मुक्त और त्वरित परिणाम देने वाली सबसे आधुनिक चिकित्सा
- इसमें कोई रसायन नहीं होते
- रोग प्रतिरोधक क्षमता स्वाभाविक रूप से बढ़ती है
- आनुवंशिक कमजोरियों को ठीक करके दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करती है
- दूध, मांस, अंडे आदि उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा बनाए रखती है

होम्योपैथी

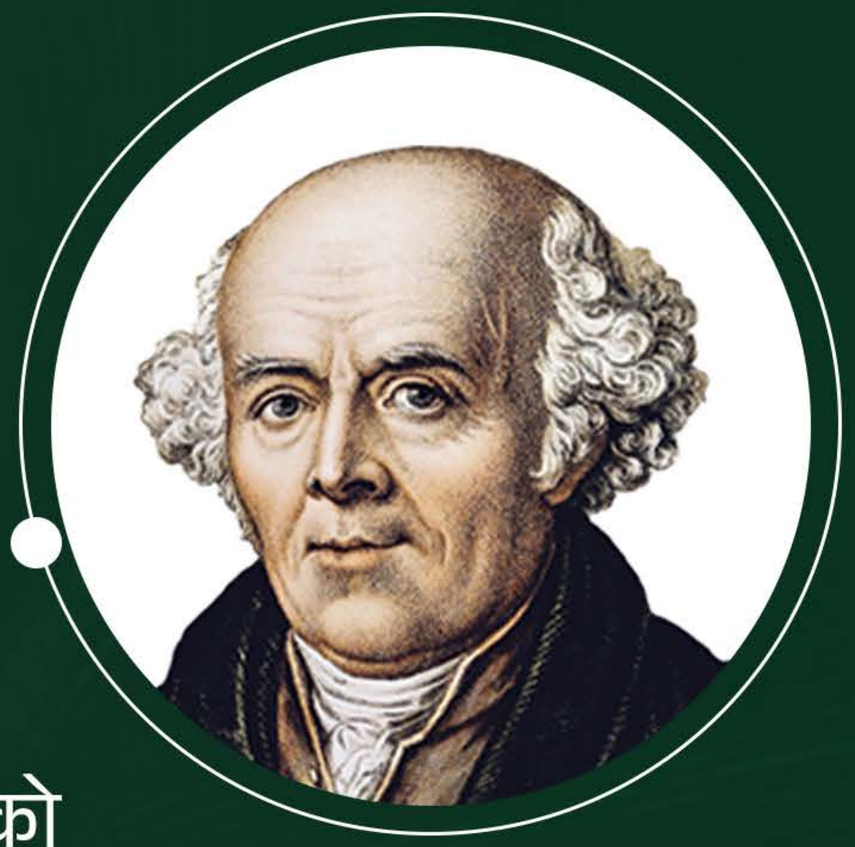

"समान, समान को ठीक करता है" यही होम्योपैथी का मूल सिद्धांत है। डॉ. **सैमुअल हैनीमैन (1755–1823)** द्वारा विकसित चिकित्सा पद्धति ही होम्योपैथी है। यह दो शताब्दियों से भी अधिक समय से दुनिया भर में फैली हुई एक प्रकृति-आधारित चिकित्सा पद्धति है। प्रत्येक मनुष्य को अद्वितीय मानकर, उसकी आंतरिक शक्ति (जीवनी शक्ति) को प्रेरित करना, रोगों के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना और रोग से मुक्ति दिलाना ही होम्योपैथी का उद्देश्य है। आज होम्योपैथी को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति के रूप में मान्यता दी गई है। कई यूरोपीय देशों में दशकों से होम्योपैथी का उपयोग औषधि के रूप में किया जा रहा है। होम्योपैथी विज्ञान की नींव पर टिकी हुई एक कलात्मक चिकित्सा पद्धति है। होम्योपैथी दवाएं आमतौर पर बहुत कम मात्रा में दी जाती हैं। ये दवाएं शरीर की मुख्य जीवन शक्ति के कार्य को उत्तेजित करती हैं। साथ ही, अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में पाए जाने वाले दुष्प्रभाव (SIDE EFFECTS) होम्योपैथी दवाओं में नहीं होते हैं। होम्योपैथी शरीर की स्वयं रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रोत्साहित करके स्वास्थ्य और संतुलन बहाल करने का कार्य करती है। कम मात्रा में दी जाने वाली होम्योपैथी दवाएं सौम्य, सूक्ष्म, शक्तिशाली और गैर-व्यसनी (लत न लगाने वाली) होती हैं। मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक स्वास्थ्य — इन सभी पर समग्र रूप से ध्यान देकर और रोग के लक्षणों को ठीक करके, यह अपने मूल सिद्धांत "समान ही समान को ठीक करता है" की ओर ले जाती है। पशु चिकित्सा और कृषि के क्षेत्र में भी होम्योपैथी का अत्यंत सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है।

एग्रो-होम्योपैथी

एग्रो-होम्योपैथी, होम्योपैथी की एक विशेष शाखा है जिसका उपयोग फूलों के बगीचों और अनाज की फसलों सहित सभी कृषि क्षेत्रों में किया जाता है। यह बिना किसी रासायनिक पदार्थों के उपयोग के, प्राकृतिक और विषमुक्त तरीके से आपकी खाद्य फसलों और अन्य उत्पादों को सुरक्षित रूप से उगाने में मदद करने वाली एक सर्वोत्तम पद्धति है। एग्रो-होम्योपैथी आपकी फसलों को पूर्ण पोषण और सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे वे रोगों और कीटों से सुरक्षित रहती हैं। यह पौधों को अंदर से मजबूत बनाती है, उनकी प्राकृतिक संरचना को बनाए रखती है और बढ़ते परिवेश में सुधार करके संक्रमण की संभावना को कम करती है; कई मामलों में तो यह बीमारियों को पूरी तरह से रोक देती है।

एग्रो-होम्योपैथी के अतिरिक्त लाभ

हम पौधों में खाद मुख्य रूप से इसलिए डालते हैं ताकि उनकी पोषक तत्वों को सोखने की क्षमता बढ़ सके। हालांकि, पौधों में हमेशा मिट्टी में पहले से मौजूद तत्वों का पूरी तरह से उपयोग करने की क्षमता नहीं होती है। एग्रो-होम्योपैथी पौधों की आंतरिक शक्ति और जड़ों की कार्यक्षमता को उत्तेजित करती है, जिससे उन्हें मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों को अधिकतम स्तर तक सोखने में मदद मिलती है। इसके माध्यम से कई बार अतिरिक्त खाद की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इसी तरह, यह कृषि समस्याओं जैसे — सूखना, मुरझाना, पत्तों का झड़ना, रोगों का प्रकोप और जड़ों का सड़ना आदि के लिए प्राकृतिक सुरक्षा और समाधान प्रदान करती है। इसके परिणामस्वरूप मिट्टी का स्वास्थ्य, जड़ों की मजबूती और उपज की गुणवत्ता बढ़ती है। क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार के रसायनिक पदार्थों का उपयोग नहीं होता, इसलिए यह मनुष्यों और पर्यावरण के लिए पूरी तरह से हानिकारक रहित है।

- ✓ रसायनों से मुक्त
- ✓ विषमुक्त
- ✓ यह व्यसनी नहीं है और निर्भरता नहीं बनाता
- ✓ मिट्टी और भूमि को कोई नुकसान नहीं
- ✓ हवा और प्रकृति के लिए हानिकारक नहीं
- ✓ मनुष्यों और जीवों के लिए सुरक्षित

MANAKKAL AGRO PHARMA®

कोझिकोड जिले के मलनाड क्षेत्र में स्थित 'कक्काडमपोयिल' के मध्य भाग में 'मनक्कल एग्रो फार्म' स्थित है। इसके पास ही स्थित 'मनक्कल ऑर्चर्ड' के नाम से जाने जाने वाले लगभग पंद्रह एकड़ के क्षेत्र में कृषि गतिविधियां, साथ ही मनक्कल एग्रो फार्म की अनुसंधान प्रयोगशाला (RESEARCH LAB) और औषधि निर्माण केंद्र कार्य कर रहे हैं।

यह मनक्कल ऑर्चर्ड एक सुंदर हरा-भरा बगीचा है, जहाँ रंबुटान, मैंगोस्टीन, मक्खन फल (एवोकैडो), संतरा, गन्ना, आम और कोको जैसे कई विदेशी फलों के साथ-साथ इलायची, नारियल, सुपारी, केला और सब्जियां प्रचुर मात्रा में उगाई जाती हैं। मनक्कल एग्रो फार्म की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ उगाए जाने वाले और रखरखाव किए जाने वाले सभी उत्पादों के लिए पूरी तरह से केवल प्राकृतिक दवाओं का ही उपयोग किया जाता है।

Homoeo Medicine For Animals & Plants

“होम्योपैथी एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति है। इसे केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं करना चाहिए; पौधे और पशु सहित सभी जीवों पर इसका उपयोग किया जा सकता है।”
- डॉ. ए. आई. हिदायतुल्ला -

Our Founder

Dr. A I Hidayathullah
N M V
BHMS

Managing Director

- Manakkal Agro Pharma
- Manakkal Orchards
- Manakkal Drugs India
- MCCI - Manakkal Center For Cancer and Incurables
- MINDS - Manakkal Institute for Neurodevelopmental Disorders and Psychiatry

Dr. A. I. Hidayathullah, a distinguished Homoeopathic practitioner with over 30 years of experience in Malappuram, Kerala, is the visionary founder of Manakkal Agro Pharma. With over a decade of focused research in Agro & Veterinary Homoeopathy, he founded Manakkal Agro Pharma, spearheading innovative solutions and products that redefine industry standards.

HOMOEO MEDICINE FOR ANIMALS
100% ORGANIC

MANAKKAL AGRO PHARMA ®

THE SOLUTION BY THE CREATOR

Manufactured by:

Manakkal Agro Pharma, Kakkadampoyil, Kozhikode district, Kerala, India - 673 604
info@manakkalagropharma.com | www.manakkalagropharma.com

Customer Care : +91 97462 52323

manakkalagropharma